NEWS CLIPPING: 10.01.2020

THE TRIBUNE

NBA Chairman Prof KK Aggarwal and Vice-Chancellor Prof Dinesh Kumar honour researchers at JC Bose University.

'INSTITUTIONS MUST PROMOTE RESEARCH'

Faridabad: Prof KK Aggarwal, Chairman, National Board of Accreditation (NBA), has asked engineering institutions to promote multi-disciplinary research and develop their curriculum in line with modern technological advancements. He was addressing a prize distribution function at the valedictory session of 8th International Symposium on Fusion of Science and Technology (ISFT-2020) organised by JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad. The session was presided over by Vice Chancellor Prof Dinesh Kumar. Prof Aggarwal said major responsibility of engineering institutions was not to make engineers but to enable engineers solve problems with the help of technology. He said lot of mathematics was involved in engineering products and even Google had hired many employees with PhD in mathematics. The VC urged researchers and technocrats to face technological challenges with multi-disciplinary approach and come up with innovative and out-of-box solutions to address problems and achieve sustainable development goals.

The Tribune Fri, 10 January 2020 https://epaper.tribune.

NEWS CLIPPING: 10.01.2020

HINDUSTAN

वाईएमसीए में सम्मेलन के तीसरे दिन पोस्टर प्रस्तुति

तीन शोधार्थियों को पहला पुरस्कार मिला

आईएसएफटी-2020

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में अंतरराष्ट्रीय फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएसएफटी-2020) सम्मेलन के तीसरे दिन बुधवार को पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की आधुनिक तकनीक पर पोस्टर प्रस्तुत किए गए। इसमें प्रथम पुरस्कार अरुण कुमार, रूप लाल राणा और नोबेल तोमर को संयुक्त रूप से उनके शोध कार्यों पर दिया गया।

द्वितीय पुरस्कार यशस्वी राज और अनिकेत गुप्ता को दिया गया। वहीं तृतीय पुरस्कार मुदिता गर्ग को प्रदान किया गया। इस सम्मेलन में 200 से अधिक शोध कार्य प्रस्तुत किए गए। इनमें 156 मौखिक प्रस्तुतियां, 53 पोस्टर और 17 आमंत्रित व्याख्यान शामिल किए गए हैं।

सम्मेलन के चौथे दिन प्रतिभागियों ने आगरा दिल्ली के ऐतिहासिक स्थानों का भ्रमण किया। समारोह में फ्रांस के लोरेन विश्वविद्यालय से आए प्रो. नौरीन टाकोरबेट और विश्वविद्यालय ऑफ नॉर्थ टेक्सास के प्रोफेसर माइकल मोंटिकिनो को आईएसएफटी 2020 फाउंडर्स अकादेमिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उन्हें इस अवसर पर प्रमाण-पत्र और दक्षिण कोरियाई मुद्रा वॉन में नकद पुरस्कार भी दिए गए हैं। यह पुरस्कार प्रतिभागियों को उनकी उच्चकोटि की अनुसंधान क्षमता तथा अनुसंधान के वैश्विक प्रभाव को देखते हुए दिया जाता है। ड्रेनेज पंप आकार परिवर्तन को लेकर अध्ययन के लिए दक्षिण कोरियाई शोधकर्ता डाई-यून किम को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार दिया गया। इन सभी को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन (एनबीए) के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने सम्मानित किया।

वाईएमसीए में एनबीए अध्यक्ष व कुलपति ने गुरुवार को प्रोफेसर नेपेट वाटजनटेपिन को बैंकॉक थाईलैंड में होने वाले आईएसएफटी के 9वें संस्करण की मेजबानी सौंपी।

नौवां आईएसएफटी 2022 में थाईलैंड में होगा

नौवां फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएसएफटी-2022) का आयोजन वर्ष 2022 बैंकॉक (थाईलैंड) में आयोजित होगा। इसका आयोजन वर्ष 2022, 10 से 14 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। बताया जा रहा है कि आईएसएफटी के अध्यक्ष एवं राजामंगलम विश्वविद्यालय ऑफ टेक्नोलॉजली सुवर्णभूमि (थाईलैंड) के प्रो. नेपेट वाटजनटेपिन ने मेजबानी के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इसमें अमेरिका, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, ईरान, जापान और जर्मनी के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

इंजीनियरिंग में गणित के महत्व पर चर्चा

वाईएमसीए (फरीदाबाद) में आयोजित 8वें अंतरराष्ट्रीय फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएसएफटी-2020) सम्मेलन में इंजीनियरिंग में गणित के महत्व के विषय में बताया गया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इसका संबोधन हेवसागन इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रमोद कौशिक ने भी किया। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. एस गर्ग, टीईक्यूआईपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING: 10.01.2020

PUNJAB KESARI

साउथ कोरिया के डाई-यून किम ने बेस्ट रिसर्च पेपर का अवॉर्ड जीता

बहु-विषयक अनुसंधान को बढ़ावा दें इंजीनियरिंग संस्थान: एनबीए अध्यक्ष

प्रो. नौरेडीन टैकोबेट और प्रो. माइकल मोंटिकिनो को दिया गया फाउंडर्स अकादमिक पुरस्कार

फरीदाबाद, 9 जनवरी (सूरजमल): नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन (एनबीए) के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने इंजीनियरिंग संस्थानों से बहु-विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने और आधुनिक प्रौद्योगिकीय ऊति के अनुरूप अपने पाठ्यक्रम को विकसित करने के लिए कहा है। प्रो. अग्रवाल जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा आयोजित फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएसएफटी-2020) के 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। सत्र को हेक्सागन इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रमोद कौशिक ने भी संबोधित किया। इससे पहले, कुलसचिव डॉ. एस गर्ग ने मुख्य अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत किया और सम्मेलन के दौरान की गई कार्यवाही और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। सत्र के अंत में डॉ. मनीष वशिष्ठ ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस अवसर पर टीईक्यूआईपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह भी उपस्थित थे। प्रो. अग्रवाल, जो देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में तकनीकी पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता मानकों के आधार पर मान्यता देने की प्रमुख संस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं ने कहा कि आज इंजीनियरिंग संस्थानों की मुख्य जिम्मेदारी ऐसे इंजीनियर तैयार करना है जो प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए

एनबीए अध्यक्ष प्रो. के.के. अग्रवाल फ्रांस के प्रो नौरेडीन टाकोरबेट को फाउंडर्स अकादमिक पुरस्कार प्रदान करते हुए।

मौजूदा समस्या का करने में सक्षम हो। इंजीनियरिंग में गणित के महत्व पर जोर देते हुए, प्रो. अग्रवाल ने कहा कि आज के इंजीनियरिंग प्रोडक्टर्स मुख्यत: गणितीय संरचना पर आधारित है। यहां तक कि आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी गूगल भी गणित में पीएचडी कर्मचारियों को वरीयता दे रहा है। इसलिए, इंजीनियरिंग छात्रों को बहु-विषयक ज्ञान और कौशल हासिल करना होगा। उन्होंने मौजूदा पाठ्यक्रम में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के साथ-साथ आर्ट्स के विषयों की आवश्यकता पर भी बल दिया। प्रो. के. के. अग्रवाल ने बहु-विषयक अनुसंधान पर विचार-विमर्श के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन पर विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएसएफटी-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का 9वां संस्करण अब बैंकाक, थाईलैंड में 10 से 14 जनवरी, 2022 तक आयोजित किया जाएगा। आईएसएफटी के अध्यक्ष एवं राजामंगलम युनिवर्सिटी आफ टेक्नोलॉजली, सुवर्णभूमि, थाईलैंड से प्रो. नेपेट वाटजनटेपिन ने मेजबानी के प्रस्ताव को स्वीकार किया। समारोह में लोरेन विश्वविद्यालय, फ्रांस के प्रो नौरेडीन टाकोरबेट तथा युनिवर्सिटी आफ नॉर्थ टेक्सास से प्रो. माइकल मोंटिकिनो ने आईएसएफटी 2020 फाउंडर्स अकादमिक पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार प्रतिभागियों को उनकी उच्च कोटि की अनुसंधान क्षमता तथा अनुसंधान के वैश्विक प्रभाव को देखते हुए दिया जाता है। ड्रेनेज पंप आकार परिवर्तन को लेकर अध्ययन के लिए दक्षिण कोरियाई शोधकर्ता डाई-यून किम को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार दिया गया। पोस्टर प्रस्तुति श्रेणी में, प्रथम पुरस्कार संयुक्त रूप से अरुण कुमार, रूप लाल राणा और नोबेल तोमर को उनके शोध कार्य के लिए दिया गया। इसी प्रकार, द्वितीय पुरस्कार यशस्वि राज और अनिकेत गुप्ता को दिया गया और तीसरा पुरस्कार तीसरा पुरस्कार मुदिता गर्ग को प्रदान किया गया। इस सम्मेलन में 200 से अधिक शोध कार्य प्रस्तुत किए गए जिनमें 156 मौखिक प्रस्तुतियां, 53 पोस्टर और 17 आमंत्रित व्याख्यान शामिल रहे। सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता के प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

पंजाब केसरी ई-पेपर Fri, 10 January 2020
https://epaper.punjabkesari.in/c/47831520

NEWS CLIPPING: 10.01.2020

DAINIK JAGRAN

प्रौद्योगिकीय उन्नति के अनुरूप तैयार हों पाठ्यक्रम : प्रो.केके अग्रवाल

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय में चल रहे फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आइएसएफटी-2020) के आठवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बृहस्पतिवार को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन (एनबीए) के अध्यक्ष प्रो.केके अग्रवाल ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। उन्होंने अपने संबोधन में इंजीनियरिंग संस्थानों से बहु-विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने और आधुनिक प्रौद्योगिकीय उन्नति के अनुरूप अपने पाठ्यक्रम को विकसित करने के लिए कहा।

प्रो.केके अग्रवाल ने कहा कि इंजीनियरिंग संस्थानों की मुख्य जिम्मेदारी ऐसे इंजीनियर तैयार करना है जो प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए मौजूदा समस्या का समाधान करने में सक्षम हो। उन्होंने मौजूदा पाठ्यक्रम में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के साथ-साथ आर्ट्स के विषयों की आवश्यकता पर भी बल दिया।

सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। सत्र को हेक्सागन इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रमोद कौशिक ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में टीईक्यूआइपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह भी उपस्थित थे।

बैंकाक में होगा नौवां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आइएसएफटी-2022) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का नौवां संस्करण अब थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में वर्ष 2022 में दस से 14 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। राजामंगलम यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजली सुवर्णभूमि थाईलैंड के प्रो.नेपेट वाटजनटेपिन ने मेजबानी के प्रस्ताव को स्वीकार किया। लोरेन विश्वविद्यालय फ्रांस के प्रो नीरेडीन टाकोरबेट तथा यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास से प्रो.माइकल मोटिकिनो ने आइएसएफटी 2020 फाउंडर्स अकादमिक पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस पुरस्कार में प्रमाणपत्र और दक्षिण कोरियाई मुद्रा एक लाख वोन राशि प्रदान की गई। ड्रेनेज पंप आकार परिवर्तन को लेकर अध्ययन के लिए दक्षिण कोरियाई शोधकर्ता डाई-यून किम को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार दिया गया। पोस्टर प्रस्तुति श्रेणी में अरुण कुमार, रूप लाल राणा और नोबेल तोमर को संयुक्त रूप से उनके शोध कार्य के लिए पहला पुरस्कार, यशस्वी राज और अनिकेत गुप्ता दूसरा और तीसरा पुरस्कार मुदिता गर्ग को प्रदान किया गया।

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एनबीए अध्यक्ष प्रो. के.के. अग्रवाल और कुलपति प्रो. दिनेश कुमार प्रो. नेपेट वाटजनटेपिन को बैंकॉक, थाईलैंड में होने वाले आईएसएफटी के नौवें संस्करण की मेजबानी सौंपते हुए● जागरण

NEWS CLIPPING: 10.01.2020

NAVBHARAT TIMES

फटाफट खबरें

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पुरस्कार दिए

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद:** जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर आधारित 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को चौथा दिन था। इस दिन पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। इसमें नैशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन के अध्यक्ष प्रोफेसर के. के. अग्रवाल मुख्य रूप से मौजूद थे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने की। हेक्सागन इंडिया के अध्यक्ष प्रमोद कौशिक ने भी सत्र को संबोधित किया। वहीं, कुलसचिव डॉ. एस. गर्ग ने मुख्य अतिथि व प्रतिभागियों का स्वागत किया और डॉ. मनीष वशिष्ठ ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस मौके पर बताया किया गया कि फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का 9वां संस्करण अब बैंकाक, थाईलैंड में 10 से 14 जनवरी 2022 तक आयोजित किया जाएगा।

NEWS CLIPPING: 10.01.2020

DAINIK TRIBUNE

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर सम्मेलन आयोजित

बल्लभगढ़, 9 जनवरी (निस)

नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन (एनबीए) के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने इंजीनियरिंग संस्थानों से बहु विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने और आधुनिक प्रौद्योगिकीय उन्नति के अनुरूप अपने पाठ्यक्रम को विकसित करने के लिए कहा है। प्रो. अग्रवाल जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए द्वारा आयोजित फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का 9वां संस्करण बैंकाक में 10 से 14 जनवरी 2022 को आयोजित किया जाएगा।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 10 January 2020
https://epaper.dainiktribuneonline.com/c/47831762

NEWS CLIPPING: 10.01.2020

DAINIK BHASKAR

D.B. 10-1-2020

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के फ्यूजन पर आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

देश के इंजीनियरिंग संस्थान बहुविषयक अनुसंधान को बढ़ावा दें : प्रो. अग्रवाल

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडेशन (एनबीए) के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने इंजीनियरिंग संस्थानों से बहुविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने और आधुनिक प्रौद्योगिकीय उन्नति के अनुरूप अपने पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए कहा है। प्रो. अग्रवाल गुरुवार को जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएसएफटी-2020) के 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज इंजीनियरिंग संस्थानों की मुख्य जिम्मेदारी ऐसे इंजीनियर तैयार करना है जो प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए मौजूदा समस्या का समाधान करने में सक्षम हो। इंजीनियरिंग में गणित के महत्व पर जोर देते हुए प्रो. अग्रवाल ने कहा कि आज के इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स मुख्यत गणितीय संरचना पर आधारित हैं। यहां तक कि आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी गूगल भी गणित में पीएचडी कर्मचारियों को वरीयता दे रहा है। इसलिए इंजीनियरिंग छात्रों को बहुविषयक ज्ञान और कौशल हासिल करना होगा। उन्होंने मौजूदा पाठ्यक्रम में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के साथ-साथ आर्ट्स के विषयों की आवश्यकता पर भी बल दिया।

फरीदाबाद. पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान पोस्टर प्रस्तुति के लिए शोधकर्ताओं को प्रथम पुरस्कार प्रदान करते हुए आयोजक।

प्रौद्योगिकीय समाधान खोजने की आवश्यकता

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने शोधकर्ताओं और तकनीकी विदों को तकनीकी चुनौतियों का सामना बहुविषयक दृष्टिकोण अपनाने और सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक समस्याओं के इनोवेटिव तथा प्रौद्योगिकीय समाधान खोजने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान हेक्सागोनल इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रमोद कौशिक, कुलसचिव डॉ. एस. गर्ग, टीईक्यूआईपी निदेशक डा. विक्रम सिंह भी उपस्थित थे।

अगला आईएसएफटी सम्मेलन थाइलैंड के बैंकाक में होगा

फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएसएफटी-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का 9वां संस्करण अब थाइलैंड के बैंकाक में 10 से 14 जनवरी 2022 तक होगा। समारोह में लोरेन विश्वविद्यालय फ्रांस के प्रो नौरेडीन टाकोरबेट तथा यूनिवर्सिटी आफ नार्थ टेक्सास से प्रो. माइकल मोंटिकिनो ने आईएसएफटी 2020 फाउंडर्स अकादमिक पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार के तहत प्रमाणपत्र और दक्षिण कोरियाई मुद्रा वोन में नकद 1,000,000 की राशि प्रदान की गई। यह पुरस्कार प्रतिभागियों को उनकी उच्च कोटि की अनुसंधान क्षमता तथा अनुसंधान के वैश्विक प्रभाव को देखते हुए दिया जाता है।

द. कोरियाई शोधकर्ता डाई-यून किम को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार दिया गया

ड्रेनेज पंप आकार परिवर्तन को लेकर अध्ययन के लिए दक्षिण कोरियाई शोधकर्ता डाई-यून किम को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार दिया गया। पोस्टर प्रस्तुति श्रेणी में प्रथम पुरस्कार संयुक्त रूप से अरुण कुमार, रूपलाल राणा और नोबेल तोमर को उनके शोध कार्य के लिए दिया गया। इसी प्रकार द्वितीय पुरस्कार यशस्वी राज और अनिकेत गुप्ता को दिया गया। जबकि तीसरा पुरस्कार मुदिता गर्ग को प्रदान किया गया। सम्मेलन में 200 से अधिक शोधकार्य प्रस्तुत किए गए। इनमें 156 मौखिक प्रस्तुतियां, 53 पोस्टर और 17 आमंत्रित व्याख्यान शामिल रहे। सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता के प्रमाण पत्र दिए गए। सम्मेलन में भारत और विदेशों से 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें से लगभग 50 प्रतिनिधि अमेरिका, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, थाइलैंड, इटली, ईरान, जापान और जर्मनी से थे।